भारतीय आयुर्विमा महामंडळ
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
मुंबई विभाग-३ / मुंबई मंडल-III / MUMBAI DIVISION-III

PHOTO

Annexure - 11
प्रपत्र सं. 440 (आय.ए.) / Form 440 (IA)
जीवन बीमा निगम की जीवन अक्षय - VI योजना
LIC's Jeevan Akshay - VI

(जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 द्वारा संस्थापित)
(Established by the Life Insurance Corporation Act, 1956)

शाखा कार्यालय Branch Office _____ मंडल कार्यालय Divisional Office _____ प्रस्ताव संख्या Proposal No. _____

जमा राशि Amount of Deposit : _____ शाखा कार्यालय वसूली संख्या BOC No. _____ दिनांक Date _____ अंदर की संख्या Inward No. _____

केवल कार्यालय उपयोग हेतु / FOR OFFICE USE ONLY

अभिकर्ता का नाम Agent's Name _____ अभिकर्ता संकेत संख्या Code No. _____

अनुज्ञप्ति संख्या License No. _____ समाप्ति तिथि Date of Expiry _____ क्लब सदस्यता का ब्योरा :(अध्यक्ष/क्षे.प्र./म.प७./शा.प्र.) Club Membership(CM/ZM/DM/BM)

अभिकर्ता का दूरभाष संख्या Agent'sTel.No. _____ विकास अधिकारी संकेत संख्या D.O's Code No. _____ विकास अधिकारी दूरभाष संख्या D.O's Tel.No. _____

(सभी उत्तर स्पष्ट भरें जाए। उत्तर शब्दों में दें। कलम के चिन्ह या बिन्दु या रेखा को उत्तर के रुप में स्वीकार नहीं किया जाएगा । जहाँ पर लागू हो, समुचित खाने को सही (✓) चिन्हित करें ।

(All answers to be filled in legibly. Answers must be given in words. Strokes of pen or dots or dashes will not be accepted as answers. **(✓) TICK APPROPRIATE BOX WHEREVER APPLICABLE)**

1. (a) वृत्ति खरीदनेवाले प्रस्तावित व्यक्ति का पूरा नाम / Name in full of the person proposing to purchase the Annuity

(b) लिंग : पु/स्त्री/ Sex: Male / Female (c) राष्ट्रीयता / Nationality

(d) वर्तमान पता / Present Address

(e) स्थायी पता /Permanent Address

दूरभाष संख्या / Tel.No. ई-मेल / E-mail _____

(f) आयु /Age (g) वृत्तिदार से संबंध / Relationship to the annuitant _____

(h) वर्तमान व्यवसाय तथा कार्य का स्वरुप / Present Occupation and nature of duties _____

(i) नियोक्ता / व्यवसाय का पता / Employer's / Business address

(j) 1. क्या आप आयकर निर्धारित हैं / Are you an Income Tax Assessee ? हाँ /Yes | ना /No

2. यदि हाँ, तो स्थाई लेखा संख्या (पैन) / If Yes, PAN : _____

2. (a) वृत्तिदार का पूरा नाम अर्थात् वह व्यक्ति जिसके जीवन पर वृत्ति भुगतान निर्भर है :
Name in full of the Annuitant, i.e. the person on whose life, annuity payments depend

(b) वृत्तिदार के पिता का पूरा नाम / Name in full of the father of the Annuitant

(c) लिंग : पु/स्त्री / Sex : Male / Female (d) राष्ट्रीयता / Nationality

(e) वर्तमान पता / Present Address

(f) स्थायी पता / Permanent Address

(g) (i) पिछले जन्मतिथि पर आयु /Age at last birthday

(ii) जन्म तिथि /Date of Birth (iii) जन्म स्थान /Place of Birth

(iv) प्रस्ताव के साथ कौन-सा आयु प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जा रहा है?
What proof of age is being furnished with the proposal?

(v) वर्तमान व्यवसाय तथा कार्य का स्वरुप
Present Occupation and nature of duties

3. वार्षिकी का विवरण / Description of the Annuity:

(a) कृपया वृत्ति का प्रकार सूचित करें। (सात में से केवल एक को चुनें)
Please indicate the type of annuity (Choose only one out of seven)

(i) वृत्ति जो वृत्तिदार के जीवन पर्यंत होगी (किसी गारंटीकृत अवधि के बिना) — हाँ Yes / नहीं No
Annuity during the life time of the Annuitant (without any guaranteed period)?

(ii) (a) गारंटीकृत वर्षों की अवधि तक तथा तत्पश्चात वृत्तिदार के जीवन पर्यंत — हाँ Yes / नहीं No
Annuity for a guaranteed term of years and during subsequent life time of the Annuitant?

(b) यदि हाँ तो गारंटीकृत वर्षों की अवधि सूचित करें /(If Yes, tick the guaranteed term in years) — 5 / 10 / 15 / 20 वर्ष/years

(iii) वृत्तिदार के जीवन पर्यंत वृत्ति तथा मृत्यु होने पर क्रय मूल्य की वापसी — हाँ Yes / नहीं No
Annuity during the life time of the annuitant with return of Purchase Price on death of the annuitant.

(iv) आजीवन वृत्ति जहाँ वृत्ति ३ प्रतिशत सालाना साधारण दर से बढ़ती हो — हाँ Yes / नहीं No
Annuity during the life time increasing at 3% p.a. simple

(v) संयुक्त जीवन एवं अंतिम विद्यमानता वृत्ति वृत्तिदार की मृत्यु होने पर पति/पत्नी को ५० प्रतिशत तक कम होकर संदेय — हाँ Yes / नहीं No
Annuity for life with a provisioin of 50% of the annuity payable to spouse during his/her life time on dealth of the annuitant.

(vi) संयुक्त जीवन एवं अंतिम विद्यमानता वृत्ति वृत्तिदार की मृत्यु होने की दशा में पति या पत्नी को वार्षिकी का १०० प्रतिशत संदेय — हाँ Yes / नहीं No
Annuity for life with a provision of 100% of the annuity payable to spouse during his/her life time on dealth of the annuitant.

(vii) संयुक्त जीवन एवं अंतिम विद्यमानता वृत्ति वृत्तिदार की मृत्यु होने की दशा में पति या पत्नी को वार्षिकी का १०० प्रतिशत संदेय — हाँ Yes / नहीं No
Annuity for life with a provision of 100% of the annuity payable to spouse during his/her life time on death of the annuitant with return of purchase price on the death of last survivor.

(b) वार्षिकी किश्त के भुगतान की विधि :
Mode of annuity instalments to be paid: — वार्षिक Yearly / अर्धवार्षिक Half-Yearly / तिमाही Quarterly / मासिक Monthly

(c) कृपया निम्न में से किसी एक का जबाब दें / Please state either the

i) क्रय मूल्य Purchase price — रु. Rs. _____
या /Or

ii) वृत्ति किश्त की राशि या बढ़ती हुई वृत्ति के मामले में प्रारंभिक किश्तकी राशि
Amount of Annuity Instalment or initial instalment amount in case of increasing annuity _____

4. पति का नाम _____
Name of spouse (mandatory in case of Joint-life annuity i.e. under option 3(a) (v), 3(a) (vi) or 3 (a) (vii) : _____

5. वृत्तिदार की मृत्यु होने पर नामित व्यक्ति जिसे पालिसी के अंतर्गत हितलाभ, अगर कोई हो तो देय होंगे :
Nominee of the annuitant to whom benefits, if any, are to be paid under the policy in case of death of the annuitant. (other than spouse, in case of joint-life annuity with return of purchase price i.e. under option 3(a) vii

(i) नाम / Name: _____

(ii) वृत्तिदार से संबंध / Relationship to the annuitant: _____ (iii) आयु /Age: _____

(iv) पता Address: _____

_____

यदि नामित व्यक्ति अवयस्क /If nominee is a minor

(i) नियोक्ता का नाम / Name of appointee: _____

(ii) नामित व्यक्ति के संबंध / Relationship to the nominee: _____ (iii) आयु /Age: _____

(iv) पता / Address: _____

_____

(v) सहमति के स्वरुप में नियुक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर /Signature of appointee as token of consent: _____

6. क्या आप पालिसी बंधपत्र अभिकर्ता / विकास अधिकारी के जरिये प्राप्त करना चाहते हैं? — हाँ Yes / नहीं No
Whether you want to receive the policy bond through the Agent /Development Officer ?

मैं _____, एतद्द्वारा मेरे अभिकर्ता / विकास अधिकारी श्री/श्रीमती/सुश्री _____ को मेरी ओर से पालिसी बंधपत्र स्वीकार करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

I, _____, hereby authorize my Agent/Development Officer, Shri/Smt./Kum. _____ to collect the policy bond on my behalf.

_____
प्रस्तावक के हस्ताक्षर /Signature of the proposer

प्रस्तावक द्वारा घोषणा / DECLARATION BY THE PROPOSER

मैं _____ भारतीय जीवन बीमा निगम को प्राधिकार देता हूं कि युनीक आईडेन्टीफिकेशन अथॉरिटी ऑफ इन्डिया (युआईडीएआई) से आधार के मेरे केवायसी विवरण ले लें.

मैं/हम _____ एतद्द्वारा घोषित करता/करती हूँ/करते हैं कि उपरोक्त कथन तथा उत्तर हर तरह से पूर्ण तथा सत्य हैं और मैं / हम इससे सहमत हूँ /हैं तथा घोषित करता हूँ/करती हूँ/करते हैं कि ये कथन तथा घोषणा मेरे / हमारे और भारतीय जीवन बीमा निगम के बीच वृत्ति संविदा के आधार होंगे और उसमें यदि कोई असत्य कथन पाया जाएगा तो कथित संविदा पूर्णतया रद्द हो जाएगी एवं इस संबंध में अदा की गई समस्त धनराशि निगम द्वारा जब्त कर ली जाएगी।

I, _____ authorise LIC of India to take my KYC details of Aadhar from the Unique Identification Authority of India (UIDAI)

I / We _____ do hereby declare that the foregoing statements and answers are true and complete in every particular and do agree and declare that these statements and this declaration shall be the basis of the contract of annuity between me/us and the Life Insurance Corporation of India and that if any untrue averment be contained therein the said contract shall absolutely be null and void and all moneys which shall have been paid in respect thereof shall stand forfeited to the Corporation.

दिनांकित स्थान/Dated at _____ दिनाकं/on the _____ माह/day of _____ 20

साक्षी का हस्ताक्षर /Signature of Witness _____

साक्षी का नाम/Name of Witness _____

व्यवसाय /Occupation _____

पता /Address _____

_____

प्रस्तावक के हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
(वृत्ति खरीदने का प्रस्ताव करनेवाले व्यक्ति)
Signature or Thumb impression of the Proposer
(the person proposing to purchase the annuity)

वृत्तिदार का हस्ताक्षर या अंगूठे का निशान
Signature or Thumb impression of the Annuitant

यदि इस फार्म के प्रश्नों के उत्तर तथा हस्ताक्षर प्रस्ताव पत्र में अंकित भाषा के बजाय किसी अन्य भाषा में हो तो फार्म भरनेवाले व्यक्ति कों अपने हस्ताक्षर के ऊपर घोषित करना चाहिए कि प्रस्तावक को सभी प्रश्न समझा दिये गये थे तथा उनको भलीभांति समझने के बाद ही उसने उत्तर दिये थे।

If the answers to the questions in this form and the signature are in a language other than the one in which the proposal form is printed, then the person who has filled in the form should declare in his/her own handwriting above his/her own signature that all questions were explained to the proposer and that his/her answers were given after fully and properly understanding the same.

यह घोषणा फार्म भरनेवाले व्यक्ति द्वारा की जानी चाहिए /The declaration should be made by the person filling in the form:-

मैं एतद्द्वारा यह घोषित करता हूँ कि मैंने उपरोक्त प्रश्न प्रस्तावक को _____ भाषा में पूरी तरह समझा दिए हैं और मैंने प्रस्तावक द्वारा दिये गये उत्तरों को सही रुप से अभिलेखित किया है ।

1. I hereby declare that I have fully explained the above questions to the proposer in _____ language and I have truthfully recorded the answers given by the Proposer.

घोषणाकर्ता का नाम / Name of the Declarant _____

घोषणाकता का पता /Address of the Declarant _____

_____

_____
घोषणाकर्ता के हस्ताक्षर/Signature of the Declarant

प्रस्तावक के अशिक्षित होने पर / In case the proposer is illiterate:-

प्रस्तावक के अंगूठे का निशान किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति जिसकी पहचान सरलता से हो सके और जो निगम से संबंधित न हो, के द्वारासत्यप्रित होना चाहिए और घोषणा भी उसके द्वारा की जानी चाहिए ।

The thumb impression of the proposer should be attested by a person of standing whose identity can easily be established, but unconnected with the Corporation and this declaration should be made by him:-

मैं एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मैंने इस प्रस्ताव पत्र के अंश प्रस्तावक को _____ भाषा मे समझा दिये हैं तथा प्रस्तावक द्वारा दिय गये प्रश्नों के उत्तर को पढ़कर बता दिया है और प्रस्तावक ने प्रस्ताव पत्र पर अपने अंगुठे का निशान उस में लिखे गये तथ्यों को पूरी तरह समझ लेने के बाद लगाया है ।

I hereby declare that I have explained the contents of the proposal form to the proposer in _____ language and that I have read out to the Proposer the answers to the questions dictated by the proposer and that the proposer has affixed his/her thumb impression to the proposal form after fully understanding the contents thereof.

2. घोषणाकर्ता का नाम/Name of the Declarant _____

घोषणाकता का पता /Address of the Declarant _____

_____

_____
घोषणाकर्ता के हस्ताक्षर/Signature of the Declarant

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 की धारा 45/SECTION 45 OF THE INSURANCE LAWS (AMENDMENT) ACT, 2015

1. किसी भी जीवन बीमा पॉलिसी पर, पॉलिसी की तारीख से अर्थात पॉलिसी के निर्गमित लिए जाने की तारीख से या जोखिम के प्रारंभ होने की तारीख से या पॉलिसी के पुनर्जीवित होने की तारीख से या पॉलिसी में राईडर जोड़े जाने की तारीक से, इनमें से जो भी पश्चातवर्ती हो, तीन वर्ष के पश्चात् किसी आधार पर, चाहे जो भी हो, आक्षेप नहीं किया जाएगा ।

2. किसी जीवन बीमा पॉलिसी पर पॉलिसी के निर्गमित किए जाने की तारीख से या जोखिम प्रारंभ होने की तारीख से या पॉलिसी के पुनर्जीवित होने की तारीख से या पॉलिसी में राईपर जोडे जाने की तारीख से, इनमें से जो भी पश्चातवर्ती हो, कपट के आधार पर तीन वर्ष के भीतर किसी भी समय आक्षेप किया जा सकेगा :
परन्तु बीमाकर्ता को लिखित में बीमाकृत या उसके विविध प्रतिनिधियों या नामनिर्देशितियों या बीमाकृत के समनुदेशितियाँ को, वे आधार और तथ्य, जिन पर ऐसा विनिश्चय आधारित है; संसूचित करने होंगे।
स्पष्टीकरण १ - इस उपधारा के प्रयोजनों के लिए 'कपट' पद से बीमाकृत द्वारा या उसके अभिकर्ता द्वारा बीमाकर्ता को धोखा देने या बीमाकर्ता को जीवन बीमा पॉलिसी निर्गमित करने के आशय से निम्नलिखित में से किया गया कोई कृत्य अभिप्रेत है –
क) उस आशय के तथ्य के रुप में जो सत्य नही है और जिसे बीमाकृत सत्य होने का विश्वास नहीं करता हैं ,
ख) बीमाकृत द्वारा तथ्य की जानकारी और विश्वास रखते हुए तथ्य का सक्रिय छिपाव,
ग) कोई अन्य कृत्य जो धोखा देने के क्षम हो, और
घ) ऐसा कोई कृत्य या लोप जिसे विधि विशेष रुप से कपटपूर्ण घोषित करें ।
स्पष्टीकरण २ : ऐसे तथ्यों के बारे में मात्र मौन रहना, जिनमें बीमाकर्ता द्वारा जोखिम के निर्धारण के प्रभावित होने की संभावना हो तब कपट नहीं हैं, जब तक कि मामले की परिस्थितियां ऐसी न हों कि यदि उन पर ध्यान दिया जाए तो बीमाकृत या उसके अभिकर्ता का यह कर्तव्य है कि वह बोलने से मौन रहे या जब तक कि उसका मौन रहना स्वत: ही बोलने के समतुल्य न हो ।

3. उपधारा (२) में किसी बात होते हुए भी, कोई बीमाकर्ता कपट के आधार पर किसी जीवन बीमा पॉलिसी को निशकृत नहीं करेगा, यदि बीमाकृत यह साबित कर सकता है कि सारवान् तथ्य का मिथ्या कथन करना या छिपाया जाना उसकी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सही था या यह कि उस तथ्य को छिपाए जाने का कोई विर्मीशत आशय नहीं था या यह कि सारवान तथ्य का ऐसा मिथ्या कथन या छिपाया जाना बीमाकर्ता की जानकारी में था :
परंतु कपट की दशा में, यदि पॉलिसीधारक जीवित नहीं है तो झूठ को ना साबित करने का भार हिताधिकारियों पर होता है।
स्पष्टीकरण : कोई व्यक्ति, जो बीमा की संविदा की याचना करता है या बातचीत करता है, संविदा करने के प्रयोजन के लिए बीमाकर्ता का अभिकर्ता समझा जाएगा।

4. किसी जीवन बीमा पॉलिसी पर, पॉलिसी निर्गमित करने की तारीख से या जोखिम के प्रारंभ होने की तारीक से या पॉलिसी के पुनर्जीवित होने की तारीख से या पॉलिसी में राईडर जोड़े जाने की तारीख से, इनमें से जो भी पश्चातवर्ती हो, इस आधार पर कि बीमाकृत के जीवन की प्रत्याशा के बारे में सारवान तथ्य के किसी कथन को छिपाने का कथन प्रस्ताव में या अन्य दस्तावेज पर गलत ढंग से किया गया था जिस पर पॉलिसी जारी कि गई थी या पुनर्जीवित की गई थी या राईडर जारी किया था, तीन वर्ष के भीतर किसी भी समय आक्षेप किया जा सकेगा:
परन्तु बीमाकर्ता को बीमाकृत या बीमाकृत के विविध प्रतिनिधियों या नामनिर्देशितियों या समनुदेशितियों को वे आधार और सामग्री, जिन पर जीवन बीमा की पॉलिसी को निराकृत करने का ऐसा विनिश्चय आधारित है, लिखित में संसूचित करनी पड़ेगी।
परन्तु यह और कि मिथ्या कथन या सारवान तथ्य को छिपाने के आधार पर पॉलिसी के निराकरण की दशा में, न कि कपट के आधार पर, निराकरण की तारीख एक पॉलिसी पर संगृहीत प्रीमियम बीमाकृत या विविध प्रतिनिधियों या नामनिर्देशितियों या समनुदेशितियों को ऐसे निराकरण की तारीख से नब्बे दिन की अवधि के भीतर संदत्त किया जाएगा ।
स्पष्टीकरण - इस उपधारा के प्रयोजनों के लिए तथ्य का मिथ्या कथन या छिपाया जाना तब तक सारवान नहीं समझा जाएगा जब तक बीमाकर्ता द्वारा वचनबद्ध किए गए जोखिम पर उसका सीधा संबंध न हो, बीमाकर्ता पर यह दर्शित करने का भार है कि क्या बीमाकृत उक्त तथ्य से अवगत था कि बीमाकृत को कोई जीवन बीमा पॉलिसी निर्गमित नहीं की गई थी ।

5. इस धारा कि किसी बात से बीमाकर्ता किसी भी समय आयु का सबूत उस दशा में मांने से निवारित नहीं होगा यदि वह ऐसा करने का हकदार हो और किसी भी पॉलिसी को केवल इस कारण प्रश्नगत किया गया नहीं समझा जाएगा कि पॉलिसी के निबन्धन के बाद में यह साबित किए जाने पर कि जिस व्यक्ति के जीवन का बीमा किया गया है उसकी आयु प्रस्तापना में गलत बताई गई थी, ठीक कर ली गई है ।

1. No policy of life insurance shall be called in question on any ground whatsoever after the expiry of three years from the date of the policy, i.e. from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the polity or the date of the rider to the policy, whichever is later.

2. A policy of the insurance may be called in question at any time within three years from the date of issuance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy. Whichever is later, on the ground of fraud.
Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representative or nominees or assignees of the insured the grounds and the materials on which such decision is based.
Explanation (i) : For the purpose of this sub section, the expression 'fraud' means any of the following act committed by the insured or by his agent with the intent to deceive the insurer or to induce the insurer to issue a life insurance policy.
(a) The suggestion, as a fact of that which is not true and which the insured does not believe to be true;
(b) The active concealment of the fact by the insured having knowledge or belief of the fact;
(c) Any other act fitted to deceive, and
(d) Any such act or omission as the law specially declares to be fraudulent.
Explanation (ii) : Mere silence as to facts likely to affect the assessment of the risk by the insurer is not fraud, unless the circumstances of the case are such that regard being had to them, it is the duty of the insured or his agent, keeping silence to speak, or unless his silence is, in itself, equivalent to speak.

3. Notwithstanding anything contained in sub-section (2), no insurer shall repudiate a life insurance policy on the ground of fraud if the insured can prove that the mis-statement of or suppression of a material fat was true to the best of his knowledge and belief or that there was no deliberate intention to suppress the fact or that such mis-statement of or suppression of a material fact are within the knowledge of the insurer provided that in case of fraud, the onus of disaproving lies upon the beneficiaries in case the policyholder is alive.
Explanation : A person who solicits and negotiates a contract of insurance shall be deemed for the purpose of the formation of the contract, to be agent of the insurer.

4. A policy of life insurance may be called in question at any time within three years from the date of insurance of the policy or the date of commencement of risk or the date of revival of the policy or the date of the rider to the policy, whichever is later, on the ground that any statement of or suppression of a fact material to the expectancy of the life of the insured was incorrectly made in the proposal or other document on the basis of which the policy was issued or revived or rider issued:
Provided that the insurer shall have to communicate in writing to the insured or the legal representatives or nominees or assigners of the insured the grounds and materials on which such decision to repudiate the policy of life insurance is based:
Provided further that in case of repudiation of the policy on the ground of mis-statement or suppression of a material fact, and not on ground of fraud, the premiums collected on the policy till the date of repudiation shall be paid to the insured or the legal representatives or nominees or assignees of the insured within a period of ninety days from the date of such repudiation.
Explanation : For the purposes of this sub-section, the mis-statement of or suppression of tact shall not be considered material unless it has a direct bearing on the risk undertaken by the insurer, the onus is on the insurer to show that had the insurer been aware of the said fact no life insurance policy would have been issued to the insured.

5. Nothing in this section shall prevent the insurer from calling for proof of age at any time if he is entitled to do so, and no policy shall be deemed to be called in question merely because the terms of the policy are adjusted on subsequent proof that the age of the life insured was incorrectly stated in the proposal.

बीमा कानून (संशोधन) अधिनियम, 2015 की धारा 41/SECTION 41 OF THE INSURANCE LAWS (AMENDMENT) ACT, 2015

1. किसी भी व्यक्ति को, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से, किसी अन्य व्यक्ति को प्रलोभन के तौर से, बीमा लेने, नवीनीकरण करने या भारत में किसी जान व माल के जोखिम से संबंधित बीमे को जारी रखने के लिए कमीशन का पूरा अथवा कुछ भाग या पॉलिसी पर दिखाए गए प्रीमियम पर कुछ छूट देने की अनुमति नहीं है। न ही किसी व्यक्ति को बीमा लेने, उसका नवीनीकरण करने अथवा पॉलिसी को जारी रखने के लिए कोई भी छूट लेने की अनुमति है, सिवाय यह छूट के जो बीमाकर्ता के प्रकाशित विवरणिका या तालिकाओं के तहत स्वीकार्य है। तथापि एक बीमा अभिकर्ता द्वारा अपने ही जीवन पर लिए गए जीवन बीमा पॉलिसी पर मिले कमीशन को, इस उप धारा के अंतर्गत, प्रीमियम में छूट नहीं माना जाएगा यदि उस पॉलिसी के स्वीकृति के दौरान, वह अपने आप को बीमाकर्ता के यथार्थ बीमा अभिकर्ता के रुप में प्रमाणित कर दें ।

2. ऐसा कोई व्यक्ति, जो इस धारा के उपबंधो के अनुपालन में व्यतिक्रम करेगा, शास्ति के लिए, जो दस लाख रुपये तक की हो सकती है, दायी होगा ।

1. No person shall allow or offer to allow, either directly or indirectly, as an inducement to any person to take out or renew or continue an insurance in respect of any kind of risk relating to lives or property in India, any rebate of the whole or part of the commission payable or any rebate of the premium shown on the policy, nor shall any person taking out a renewing or continuing a policy accept any rebate, except such rebate as may be allowed in accordance with the published prospectus or tables of the insurer.
Provided that acceptance by an insurance agent of commission in connection with a policy of life insurance taken out by himself on his own life shall not be deemed to be acceptance of a rebate of premium within the meaning of this sub-section if at the time of such acceptance the Insurance agent satisfies the prescribed conditions establishing that he is a bonafide insurance Agent employed by the insurer.

2. Any person making default in complying with the provisions of this section shall be liable for a penalty which may extend to ten lacs rupees.

इलेक्ट्रॉनिक समाशोधन सेवा (जमा निकासी) (ई.सी.एस.) / Electronic Clearing Service (Credit Clearing) (ECS)

आज्ञा प्रपत्र / MANDATE FORM

(हर एक पालिसी के लिए अलग-अलग भरें) / (To be filled in separately for each policy)

वृत्तिदार जमा निकासी तंत्रों द्वारा भुगतान चाहता है / Annuitant desires to receive payments through Credit Clearing Mechanisms

(a) पालिसी संख्या/शाखा कार्यालय वसूली संख्या/Policy No./BOC _____ दिनांक /Date _____

क्रय मूल्य रु. / Purchase Price Rs. _____

निवृत्ति वेतन / Pension _____ दिनांक/ Date _____

(b) वृत्तिदार का नाम / Name of Annuitant: _____

बैंक खाते का ब्योरा / Particulars of Bank A/c. _____

(a) बैंक का नाम / Bank Name: _____

(b) बैंक शाखा का नाम/ Branch Name: _____

पता / Address : _____

(c) वृत्तिदार की दूरभाष संख्या / Tel.No. of Annuitant (i) कार्यालय /Office: _____ (ii) निवास स्थान /Residence: _____

(d) बैंक व शाखा की नौ अंक सांकेतिक संख्या जो बैंक के एमआईसीआर चेक पर अंकित है

9-Digit Code Number of the Bank & Branch appearing on the MICR Cheque issued by Bank _____

(e) खाते का प्रकार (बचत खाता / चालू खाता या नकद जमा) व सांकेतिक संख्या 10/11/13

Account Type (Saving Bank Account/Current A/c. or Cash Credit) with Code 10/11/13 _____

(f) बही खाता संख्या / बही खाता पत्र संख्या / Ledger No./Ledger Folio No.: _____

(g) खाता संक्या (जैसे चेक पुस्तिका के ऊपर अंकित है) / Account No.(as appearing on the Cheque Book) _____

मै, एतद्द्वारा घोषणा करता हूं कि ऊपर दिये गये सभी विवरण सही और पूरे है। यदि यह व्यवहार अधूरे या असत्य सूचनाओं के कारण विलम्बित होता है या बिल्कुल कार्यान्वित नहीं होता है, तो मैं निगम को उत्तरदायी नहीं मानूंगा ।

I, hereby, declare that the particulars given above are correct and complete. If the transaction is delayed or not effected at all for the reasons of incomplete or incorrect information, I would not hold the corporation responsible.

तिथि/Date : _____ वृत्तिदार का हस्ताक्षर/Signature of the Annuitant

अभिकर्ता की रिपोर्ट / Agent's Report

(a) आप पेन्शन भोगी को कब से जानते हैं?/ How long do you know the Pensioner?

(b) आपकी राय में पेन्शन भोगी की आयु लगभग कितनी होगी? / What is the approximate age of the Pensioner in your opinion?

(c) क्या आप प्रस्ताव अनुमोदन के लिए सिफारिश करते हैं?/ Do you recommend the acceptance of the Proposal?

(d) क्या आपने प्रस्तावक को योजना की शर्तें पूरी तरह से समझा दी है?

Have you explained fully the terms and conditions of the plan to the proposer?

(e) पेन्शन भोगी के पहचाना चिन्ह / Marks of identification of Pensioner

मैं पार्टी की पहचान से संतुष्ट हूँ तथा मेरे द्वारा स्वतंत्र रुप से की गई जाँच के आधार पर मैं एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मुझे ज्ञान और विश्वास है, पूर्वलिखित कथन सहीं हैं। और मैं यह घोषित करता हूँ कि यह प्रस्ताव मेरे द्वारा प्राप्त किया गया है और मैंने प्रस्तावक को प्रस्ताव पत्र की विषय-वस्तु को पूरी तरह समझा दिया हैं।

I am satisfied with the identity of the party and on the basis of my independent enquiries, I hereby declare that the foregoing statements are true and correct to the best of my knowledge and belief. Further, I declare that the above proposal is secured by me and that I have fully explained the contents of the proposal form to the proposer.

दिनांकित स्थान/ Dated _____ दिनांक /on the _____ माह / day of _____ 20

टिप: इस प्रपत्र की कानूनी व्याख्या के लिए अंग्रेजी पाठ ही अंतिम माना जाएगा ।

Note : In case of dispute in respect of interpretation of terms the English version shall stand valid.

अभिकर्ता का हस्ताक्षर /Signature of the agent

FEATURES OF LIC's JEEVAN AKSHAY VI (Table No. 189)

It is an Immediate Annuity plan, which can be purchased by paying a lump sum amount. The plan provides for annuity payments of a stated amount throughout the life time of the annuitant. The annuity amount is independent of market fluctuations. Various options are available for the type and mode of payment of annuities.

Mode of payment of Annuity:

Annuity to be paid at monthly mode.

When first instalment of annuity payable:

First instalment of annuity is payable on 1st day of following month subject to completion of one full month from the date of purchase of annuity. Suppose date of purchase of annuity is 15th January, then annuity will be payable on 1st of March alongwith broken period annuity(i.e 16 days of January + full month of February).

Benefits

The amount of annuity is assured throughout life of the annuitant.

Type of Annuity:

The following options are available under the plan

1. Annuity payable for life at a uniform rate.
2. Annuity payable for 5, 10, 15 or 20 years certain and thereafter as long as the annuitant is alive.
3. Annuity for life with return of purchase price on death of the annuitant.
4. Annuity payable for life increasing at a simple rate of 3% p.a.
5. Annuity for life with a provision of 50% of the annuity payable to spouse during his/her lifetime on death of the annuitant.
6. Annuity for life with a provision of 100% of the annuity payable to spouse during his/her lifetime on death of the annuitant.
7. Annuity for life with a provision of 100% of the annuity payable to spouse during his/ her life time on death of annuitant. The purchase price will be returned on the death of last survivor**.**

You may choose any one option at the time of taking the policy.

What happens if the annuitant dies?

If the annuitant dies:

1. Under option (i) annuity ceases.

2. Under option (ii)

I. On death during the guaranteed period (5/10/15/20) yrs.- annuity is paid to the nominee till the end of the guaranteed period after which the same ceases.

II. On death after the guaranteed period - annuity ceases.

3. Under option (iii) annuity ceases and the purchase price is paid to the nominee.

4. Under option (iv) annuity ceases.

5. Under option (v) annuity ceases and 50% of the annuity is payable to the surviving named spouse during his/her life time. If the spouse predeceases the annuitant, the annuity ceases.

6. Under option (vi) annuity ceases and full annuity is payable to the surviving named spouse during his/her life time. If the spouse predeceases the annuitant, the annuity ceases.

7. Under option (vii) annuity ceases. Full annuity is payable to the surviving named spouse during his/ her life time and purchase price is paid to the nominee after the death of the spouse. If the spouse predeceases the annuitant, the annuity ceases and purchase price will be paid to the nominee.

Salient features:

1. Premium is to be paid in a lump sum.

2. Minimum purchase price :

   - Rs.100,000/- for all distribution channels except online.

3. No medical examination is required under the plan.

4. No maximum limits for purchase price, annuity etc.

5. Minimum allowed age at entry is 30 years (completed) and Maximum allowed age at entry is 85 years (completed).

6. Age proof necessary.

Sample Annuity Rate:

Amount of annuity payable at **yearly** intervals which can be purchased for **Rs. 1.0 lakh** under different options is as under:

Age last birthday	Yearly annuity amount under option						
	(i)	(ii) (15 years certain)	(iii)	(iv)	(v)	(vi)	(vii)
30	544	543	518	397	536	528	518
40	569	565	521	425	554	539	518
50	619	606	523	478	590	563	521
60	713	673	527	575	658	612	524
70	918	759	530	780	804	716	528
80	1336	812	531	1195	1103	939	532

Incentives for high purchase price:

If your purchase price is Rs. 2.50 lakh or more, you will receive higher amount of annuity due to available incentives

Service Tax:

Under this plan, the amount of service tax as per the prevailing rates shall be payable by the policyholder along with the purchase price.

Surrender Value:

No surrender value will be available under the policy.

Loan:

No loan will be available under the policy.

Cooling-off period:

If you are not satisfied with the Terms and Conditions of the policy, you may return the policy to us within 15 days from the date of receipt of the Policy Bond. On receipt of the policy we shall cancel the same and the amount of premium deposited by you shall be refunded to you after deducting the charges for stamp duty.

(Insurance is the subject matter of solicitation.)

Dear Sir/Madam,

We thank you very much for choosing Life Insurance Corporation as ASP and showing your interest in LIC's Jeevan Akshay-VI immediate annuity plan.

LIC's Jeevan Akshay Pension plan is an approved plan for NPS by PFRDA. You can visit our site www.licindia.in and www.licindia.in/nps/ for detailed features of the plan. There are seven options of pension to be selected from.

At the latter site you can have the proposal form of the plan to be filled by subscriber & options of annuity. We have provided you our proposal form and plan features as an attachment. Mode of pension for NPS subscribers is normally Monthly. The site also helps in calculating the annuity for a particular amount and age. The option once selected can not be changed at a later stage, therefore the same should be selected carefully and after complete understanding.

Please note the following points:-

- Annuitant and proposer shall be same in this case.
- The part containing branch details and agents' details are not applicable in this case.
- It is compulsory to mention PRAN (Permanent Retirement Account No.) at the top of the proposal form.
- The agent's report is not applicable in this case.

Following **self attested** documents are required along with the completed and signed proposal form:

1. Photo on proposal form
2. Age proof (i.e School/college Ceft./ Passport etc.)
3. KYC documents like photo identity proof, address proof, PAN card
4. Copy of PRAN card
5. Copy of first page of bank passbook & cancelled cheque

Important instruction by PFRDA

Please note that, in pre mature exit cases(age less than 60 years), PFRDA has issued guideline for choosing default annuity option as "Annuity for life with a provision of 100% of the annuity payable to spouse during his/ her life time on death of the annuitant. The purchase price will be returned on the death of last survivor".
Therefore, if your case is apre mature one,you are requested to opt for annuity option no.7 only.

For annuity option no.7, you are required to fill name of spouse in point no.4 of proposal form (page no.2) and name of nominee (other than spouse), his relation, age and address has to be given in point no.5 of proposal form (page no.2), if your nominee is minor, you have to declare appointee (other than spouse) for minor nominee in specified column with his signature as a token of consent.

Please remember you and your spouse can not be the appointee.

You may send the completed proposal form along with KYC documents to the below mentioned address:

LIC of India, Central Office, Distance Marketing Centre, New India Building, Ground Floor, S.V.Road, Santacruz (W), Mumbai-400054.

If you need further assistance, please revert back to us or call us at the following numbers:

022- 26117044
022- 67819288

Thanks

The NPS subscriber may forward the LIC Annuity Application directly to LIC, Mumbai.

The NPS subscriber need not sent this application to DAT, Puducherry.